संपादकीय

मंजिल अभी दूर

केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि देश में कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा 75 करोड़ पार कर चुका है। आंकड़े को यूं भी परिभाषित किया जा रहा है कि देश जब आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है तो 75 करोड़ लोगों का टीकाकरण भारतीय लोकतंत्र की बड़ी उपलब्धि है। निस्संदेह देश की आधी से अधिक आबादी को टीका लगना भारत के स्वास्थ्य तंत्र की बड़ी उपलब्धि कही जा रही है, लेकिन 135 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश में दिसंबर तक वयस्क आबादी के पूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य को हासिल करने के लिये अभियान में तेजी लाने की जरूरत है। हम न भूलें कि अभी अट्ठारह करोड़ से अधिक लोगों को ही दोनों डोज लगी हैं। आम लोगों में यह सवाल उठता रहा है कि पहले और दूसरे टीके की संख्या में इतना अंतर क्यों है? क्या पहला टीका लगाना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है? इसमें दो राय नहीं कि भारत को समय रहते देश में तैयार व देश में विकसित टीका मिल गया। हम इसके लिये विकसित देशों के मोहताज नहीं रहे। महत्वपूर्ण यह भी कि व्यस्कों को यह टीका मुफ्त लगाया गया। लेकिन देश में भौगोलिक जटिलता, टीका लगाने को लेकर संकोच और अज्ञानता के चलते आबादी का एक हिस्सा टीका लगाने से परहेज करता रहा है। सार्थक यह है कि देश में कई अन्य टीके ट्रायल के अंतिम चरण में हैं। अच्छी बात यह भी है कि देश ने बच्चों के लिये जायडस-कैडिला की जायकोव-डी वैक्सीन विकसित कर ली है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि जिन बच्चों को हार्ट, लंग या लीवर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझना पड़ा है, उन्हें ही पहले वैक्सीन दी जाये। आमतौर पर माना जाता है कि बच्चों में वयस्कों के मुकाबले रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। बहरहाल, बारह से सत्रह साल के बच्चों को वैक्सीन अक्तूबर से देनी आरंभ की जायेगी।

निस्संदेह, पिचहत्तर करोड़ लोगों को टीका लगाना हमारी बड़ी उपलब्धि है, लेकिन सार्वजनिक स्थलों में बढ़ती भीड़ व कोरोना से बचाव के उपायों के प्रति हमारी लापरवाही चिंता बढ़ाने वाली है। हम न भूलें कि केरल व महाराष्ट्र अभी दूसरी लहर के कहर से मुक्त नहीं हो पाये हैं। फिलहाल आने वाले संक्रमण के आधे से अधिक मामले इन राज्यों से आ रहे हैं। हालांकि, केरल में गिरावट का दौर शुरू हो गया है, लेकिन मिजोरम समेत कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वैसे भी देश के स्वास्थ्य विज्ञानी अक्तूबर में तीसरी लहर की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, यह देश में त्योहारों का मौसम होगा और हमारी लापरवाही भारी पड़ सकती है। बहरहाल, दूसरी लहर की भयावहता के बावजूद पूरे देश में सख्त लॉकडाउन न लगाये जाने के परिणाम अब अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव के रूप में दिखे हैं। कई सेक्टरों में आशाजनक परिणाम सामने आये हैं। विकास दर में तेजी आई है। लेकिन कोरोना से लड़ाई अभी लंबी चलनी है, जिसमें संक्रमण से बचाव के परंपरागत उपायों पर ध्यान देना होगा। इसके लिये जहां व्यक्ति गत स्तर पर भी सतर्कता जरूरी है, वहीं टीकाकरण अभियान में तेजी लाने की जरूरत है। जहां भी कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी आती है, वहां युद्धस्तर पर प्रतिकार की जरूरत होगी। हालांकि देश में स्कूल खुलने लगे हैं, लेकिन सुरक्षा व बचाव के उपायों में किसी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए। वह भी तब जब यह आम धारणा बन चुकी है कि तीसरी लहर बच्चों पर ज्यादा असर डालेगी। हालांकि, चौथे सीरो सर्वे में यह बात साफ हो चुकी है कि साठ फीसदी बच्चों में एंटीबॉडी पायी गई है। यानी कि भले ही वे गंभीर बीमार न पड़े हों, लेकिन वे संक्रमण की जद में रहे। मगर वे संक्रमण के वाहक बनकर बड़ों को संक्रमित कर सकते हैं। हम सतर्क रहें क्योंकि केरल में निपाह वायरस ने दस्तक दे दी है और उत्तर प्रदेश में बच्चे रहस्यमय बुखार की चपेट में हैं।

पूंजी बाजार के नाम रहा डेढ़ साल : त्यागी

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष अजय त्यागी ने आज कहा कि निवेशकों के निवेश एवं कंपनियों के पूंजी जुटाने का विश्वसनीय प्लेटफॉर्म होने की वजह से पिछला डेढ़ साल पूंजी बाजार के नाम रहा है। श्री त्यागी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 12वें वित्त बाजार सम्मेलन में कहा कि निवेशकों के निवेश एवं कंपनियों के पूंजी जुटाने का विश्वसनीय प्लेटफॉर्म होने की वजह से पिछला डेढ़ साल पूंजी बाजार के नाम रहा है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2020 में बाजारों के नई ऊंचाईयों को छूने के बाद कोरोना महामारी के पांव पसारते ही मार्च में बाजार सूचकांक गिरने लगे। 23 मार्च को सूचकांकों ने निचले स्तर को छुआ, जो जनवरी के उच्चतम स्तर से लगभग 40 प्रतिशत कम था। लेकिन, इसके बाद से बाजार में सुधार हुआ है और अप्रैल 2021 में आई गिरावट की एक छोटी अवधि को छोड़ दें तो बाजार लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आज की तारीख में प्रमुख सूचकांक मार्च 2020 के सबसे निचले स्तर के मुकाबले दोगुने से अधिक हैं।

सेबी के अध्यक्ष ने कहा कि वास्तव में, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, भारतीय इक्विटी बाजारों ने दुनिया के किसी भी अन्य बाजार के मुकाबले डॉलर के संदर्भ में सबसे अच्छा रिटर्न दिया है, चाहे वह उभरते या विकसित बाजार हों। इस अवधि में द्वितीयक बाजार के कारोबार में भारी वृद्धि ने बाजार के बुनियादी ढांचे को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि एक नई दुनिया के लिए भारत के निर्माण को उभरती अर्थव्यवस्था के वित्त पोषण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूंजी बाजारों को और प्रोत्साहन दिये जाने और विकास की जरूरत है। हालांकि अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। वर्तमान में, भारत में कुल फंड जुटाने में पूंजी बाजार हिस्सेदारी विकसित देशों के मुकाबले काफी पीछे है।

श्री त्यागी ने कहा कि कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से शेयर बाजारों में व्यक्तिगत निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। इस संबंध में उपलब्ध आंकड़े काफी चौंकाने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019-20 में देश में हर महीने औसतन चार लाख नए डीमैट खाते खोले गए, जो वर्ष 2020-21 में तीन गुना बढ़कर 12 लाख प्रति माह हो गया। चालू वित्त वर्ष में अबतक यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 26 लाख प्रति माह हो गया है। वित्त वर्ष 2019-20 में नकद बाजार कारोबार में व्यक्तिगत औसत हिस्सेदारी 39 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में यह बढ़कर लगभग 45 प्रतिशत हो गयी।

सेबी अध्यक्ष ने कहा कि हाल में आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाने में तेजी आई है। वित्त वर्ष 2021 में आईपीओ के माध्यम से 46 हजार करोड़ रुपये पूंजी जुटाई गई जबकि इसके पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 21 हजार करोड़ रुपये रही थी। चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक केवल पांच महीनों में आईपीओ के जरिये जुटाई गई राशि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान जुटाई गई राशि के करीब है।

सुरक्षा कारणों के चलते न्यूज़ीलैंड का पाकिस्तान दौरा रद्द

रावलपिंडी। न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम का पाकिस्तान का सफेद गेंद दौरा सुरक्षा कारणों के चलते रद्द कर दिया गया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने देश की सरकार से सुरक्षा खतरे को लेकर मिली खुफिया जानकारी के बाद रावलपिंडी में आज वनडे सीरीज के पहले मैच का खेल शुरू होने से कुछ मिनट पहले दौरा को रद्द कर दिया। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा, न्यूजीलैंड सरकार से मिली पाकिस्तान में सुरक्षा खतरे की बढ़ी आशंका और धरातल पर मौजूद न्यूजीलैंड क्रिकेट सुरक्षा सलाहकारों की सलाह के बाद यह निर्णय लिया गया है कि न्यूजीलैंड टीम का यह दौरा आगे नहीं बढ़ेगा। अब टीम के प्रस्थान की व्यवस्था की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सुरक्षा के मद्देनजर टी-20 सीरीज को रावलपिंडी से लाहौर स्थानांतरित किया गया था, लेकिन अब सुरक्षा कारणों के चलते पूरे दौरे को ही रद्द कर दिया गया है। इस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि अन्य टूरिंग टीमों की तरह न्यूजीलैंड के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और यहां तक कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने न्यूजीलैंड में अपने समकक्ष से बात की थी।

आरबीआई महंगाई पर नियंत्रण को प्रतिबद्ध

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर डॉ माइकल देवव्रत पात्रा ने आज कहा कि मौद्रिक नीति समिति महंगाई दर में स्थिरता बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी से बंधी हुई है और 2023-24 तक मुद्रास्फीति घट कर निर्धारित चार प्रतिशत के लक्ष्य तक आ जाएगी।

वित्तीय क्षेत्र पर उद्योग मंडल सीआई द्वारा आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि इस समय मुद्रास्फीति का दबाव मुख्य रूप से सीमित संख्या में कुछ वस्तुओं की कीमतों में उछाल की वजह से है। उन्होंने कहा कि आगे की राह के बारे में रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार चालू वित्त वर्ष

2021-22 में खुदरा मुद्रास्फीति की दर औसतन 5.7 प्रतिशत या इससे नीचे रहेगी, 2022-23 में पांच प्रतिशत से नीचे और 2023-24 में चार प्रतिशत के लक्ष्य के नजदीक होगी।

डॉ पात्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति का आकलन है कि इस समय मुद्रास्फीति का दबाव आपूर्ति में अड़चनों के चलते है। अड़चनों के बारबार पैदा होने से मुद्रास्फीति ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के दबाव में बड़ा योग उत्पादों की एक सीमित सूची के कारण है।

उन्होंने कहा, सीपीआई (खुदरा मूल्य सूचकांक) में 20 प्रतिशत भार रखने वाली वस्तुओं का मुद्रास्फीति में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान है।

डॉ पात्रा ने कहा, मौद्रिक नीति समिति मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत की घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत के आस-पास रखने के अपने उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध है।

गौरतलब है कि अगस्त 2021 में खुदरा मुद्रास्फीति घट कर 5.3 प्रतिशत पर आ गयी जो इसका चार माह का न्यूनतम स्तर है। पेट्रोलियम उत्पादों, बिजली और कुछ विनिर्मित उत्पादों की कीमतों के ऊंचा रहने से अगस्त में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 11.4 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

छह वर्षों में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में किये गये बैंक सुधार और अन्य उपायों का हवाला देते हुये आज कहा कि पिछले छह वित्त वर्षों में सरकारी बैंकों ने 501479 करोड़ रुपये के फंसे कर्ज की वसूली की है। श्रीमती सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से चर्चा में यह जानकारी देते हुये कहा कि मार्च 2018 के बाद 3.1 लाख करोड़ रुपये की वसूली की गयी है। वर्ष 2018-19 में 1.2 लाख करोड़ रुपये की वसूली की गयी है। उन्होंने कहा कि भूषण स्टील जैसी दिवालिया कंपनियों के निपटान से भी 99 हजार करोड़ रुपये से अधिक की वसूली हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में 21 से मात्र दो सरकारी बैंक मुनाफा कमा रहा थे जबकि इस वर्ष मार्च में मात्र दो बैंक ही नुकसान में रहे। उन्होंने कहा कि पिछले छह वित्तीय वर्ष में सरकार की चार 'आर' रणनीति लागू की गयी जिससे बैंकों ने 501479 करोड़ रुपये की वसूली की है। उन्होंने कहा कि अब बैंकों को पूंजी के लिए सिर्फ सरकार ही निर्भर नहीं पड़ रहा है बल्कि वे स्वयं बाजार से पूंजी जुटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में सरकार इन बैंकों में 20 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त पूंजी डालने जा रही है। वर्ष 2017-18 में 90 हजार करोड़ रुपये, वर्ष 2018-19 में 1.06 लाख करोड़ रुपये, वर्ष 2019-20 में 70 हजार करोड़ रुपये और 2020-21 में 20 हजार करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया गया था।

विराट कोहली को बड़ा झटका, 5 खिलाड़ियों ने टीम का साथ छोड़ा

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के साल 2021 के सीजन का दूसरा चरण 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होने वाला है और आईपीएल का मौजूदा सीजन खत्म होते ही टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले शुरू हो जाएंगे। हालांकि फिलहाल अब सब का फोकस आईपीएल पर ही है। इसकी शुरुआत से पहले ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच दूसरे चरण के शुरू होने से पहले ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम के कप्तान विराट कोहली को एक के बाद एक करारे झटके लगे हैं। एक के बाद एक इसलिए क्योंकि पांच धुरंधर खिलाड़ी उनका साथ छोड़कर चले गए हैं।

दरअसल, जिन पांच खिलाड़ियों ने आईपीएल-2021 के दूसरे चरण से नाम वापस लिया है, उनमें न्यूजीलैंड के फिन एलन और स्कॉट कुगेलेन समेत ऑस्ट्रेलिया के तीन क्रिकेटर केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स और एडम जैम्पा शामिल हैं। एलन और स्कॉट न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए चुने गए हैं इसलिए दूसरे चरण में आईपीएल का हिस्सा नहीं होंगे जबकि केन और सैम्स ने खुद को अनुपलब्ध बताया है।

इतना ही नहीं दूसरे चरण की शुरुआत से पहले ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कोचिंग स्टाफ में भी बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। इस कड़ी में आरसीबी के हेड कोच साइमन कैटिच ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और अब टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशंस यानी माइक हेसन ही कोच पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी संभालेंगे। ऐसे में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ भी चार नए खिलाड़ी जुड़े हैं। इन क्रिकेटरों में श्रीलंका के वानिंदू हसरंगा और दशमंथा चमीरा के अलावा सिंगापुर में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड भी शामिल हैं। उनके अलावा जॉर्ज गार्टन को भी टीम में शामिल किया गया है हालांकि उन्हें अभी आईपीएल गवर्निंग काउंसिल से इसकी अनुमति मिलने का इंतजार है।

अक्षय कुमार जल्द शुरू करेंगे राम सेतु की शूटिंग

अक्षय कुमार आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आएंगे। राम सेतु भी उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अक्षय अक्टूबर में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। उन्होंने मार्च में अयोध्या में इस फिल्म का मुहूर्त किया था। इसके बाद मुंबई में उन्हें फिल्म का लंबा शेड्यूल शूट करना था, लेकिन लॉकडाउन की वजह से शूट टाल दिया गया था। अब वह फिर शूटिंग के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय अक्टूबर में राम सेतु की शूटिंग वापस शुरू करेंगे और इस साल दिसंबर तक फिल्म पूरी कर लेंगे। फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग श्रीलंका में होनी थी, लेकिन निर्माताओं ने इसके बाद फिल्म की शूटिंग केरल में करने का फैसला किया था और अब राज्य में कोरोना के मामले बढ़ने के चलते फिल्म के निर्माताओं ने इसके काफी हिस्से को गुजरात में शूट करने का फैसला किया है।

अभिषेक शर्मा के निर्देशन में बन रही फिल्म रामसेतु में अक्षय भारतीय संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत से जुड़ी कहानी को पर्दे पर लाने वाले हैं। इस फिल्म में अक्षय पुरातत्वविद् का किरदार निभाएंगे। फिल्म में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कहानी दिखाई जाएगी। इसमें अक्षय के साथ जैकलीन फर्नांडिज और नुसरत भरूचा नजर आएंगी। नुसरत इसमें उनकी पत्नी की भूमिका में होंगी और जैकलीन, अक्षय की टीम मेंबर होंगी, जो मिशन राम सेतु में अक्षय की मदद करती हैं।

स्वतंत्रता सेनानी ऊषा मेहता की बायोपिक में हो सकती है तापसी या भूमि की एंट्री

पिछले काफी समय से यह चर्चा जोरों पर है कि करण जौहर स्वतंत्रता सेनानी ऊषा मेहता के जीवन पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। करण उनकी उपलब्धियों और जीवन से बेहद प्रभावित हैं और इसी वजह से उन्होंने ऊषा मेहता के जीवन को पर्दे पर लाने का फैसला किया है। अब खबर है कि इस फिल्म में ऊषा की भूमिका के लिए तापसी पन्नू और भूमि पेडनेकर का नाम सबसे ऊपर है।

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म का निर्देशन केतन मेहता कर रहे हैं।

उन्होंने फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया है और इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक ऊषा मेहता की भूमिका के लिए केतन के जहन में बस दो ही नाम हैं। एक हैं तापसी पन्नू और दूसरी हैं भूमि पेडनेकर। वह दोनों में से किसी एक को फिल्म में लेना चाहते हैं। नवंबर तक फिल्म की कास्ट फाइनल हो जाएगी।

आज का राशिफल

मेष :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी और छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा।

मिथुन :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कर्क :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा।

कन्या :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा।

तुला :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें।

वृश्चिक :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं।

धनु :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा।

मकर :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धनलाभ के योग बन रहे हैं, लेकिन छोटी-छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है।

कुंभ :- आज का मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धनलाभ के योग भी बन रहे हैं।

मीन :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह-नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य-वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी।

शाम की नास्ते में बनाएं चीज़ वेज फिंगर्स

सामग्री :

आलू- 600 ग्राम, चेडार चीज़- 100 ग्राम(कद्दूकस किया), मॉजरेला चीज़- 100 ग्राम, ब्रेड क्रम्बस- 1/2 कप, मैदा- 2 टेबलस्पून, चिली फ्लेक्स- आवश्यकतानुसार, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, ऑरिगेनो- 1 टीस्पून, सूखी तुलसी के पत्ते- 1 टीस्पून, कॉर्न- 3/4 कप उबालकर पानी निकले हुए, हरी मटर- 1/2 कप, पत्तागोभी बारीक कटे- 3/4 कप, गाजर- 1/2 कप बारीक कटे हुए, शिमला मिर्च- 1/4 कप बारीक कटे हुए, लहसुन- 1/2 टेबलस्पून बारीक कटे, मक्खन- 2 टेबलस्पून, नमक-स्वादानुसार, तेल- फ्राई करने के लिए

कोटिंग के लिए- मैदा नमक और काली मिर्च मिला हुआ, कॉर्न फ्लेक्स कूटा हुआ

विधि :

एक पैन में मक्खन गर्म करें। इसमें लहसुन को धीमी आंच पर पका लें। अब इसमें हरी मटर, पत्तागोभी और गाजर मिक्स करें। तेज आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। पत्तागोभी से पानी छोड़ेगा तो जब तक ये पूरी तरह से सूख न जाए पकाना है। हल्का सूखने लगे तो शिमला मिर्च डालकर थोड़ी देर और पकाएं। अब एक बाउल में पकी हुई सब्जियां, कॉर्न पेस्ट और सारी चीज़ों को मिला लें। थोड़ा सा मिक्सचर लेकर हाथों पर तेल लगाकर सिलेंडर शेप दें या और कोई मनचाहा शेप दे सकते हैं। अब इन्हें कोटिंग वाला जो घोल तैयार किया था उसमें डालें फिर कूटे हुए कॉर्न फ्लेक्स में डाल दें। जिससे चारों ओर कॉर्न फ्लेक्स की कोटिंग लग जाए।कड़ाही में तेल गर्म करें। जब ये एकदम गर्म हो जाए तब इसमें इन सारे फिंगर्स को डीप फ्राई कर लें। मेयोनीज़ या टमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 204

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

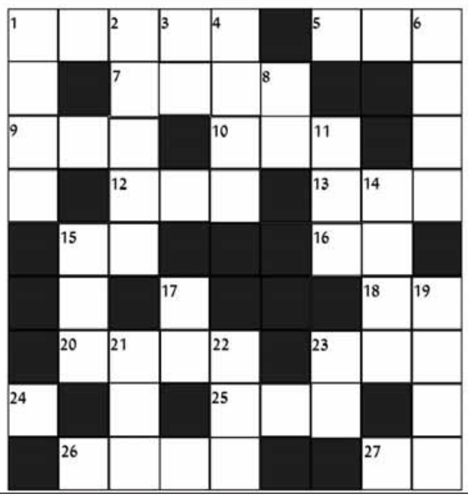

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 203 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

सू-दोकू- 204

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.203 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6